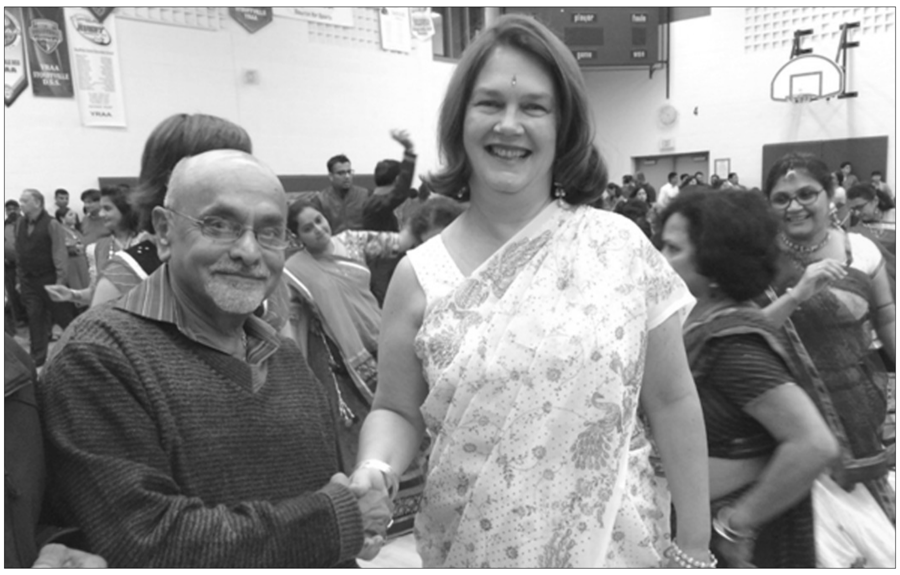

स्टुऑफवील डिस्ट्रीक सैकेन्ड्री स्कूल में इंडो–कैनेडियन ऑफ स्टुऑफवील द्वारा आयोजित नवरात्रि समारोह समारोह में मां अंबे की पूजा अर्चना की गई। कैनेडा की स्वास्थ्य मंत्री जाने फिलपॉट ने न केवल इस समारोह में भाग लिया बल्कि मां अंबे का आर्शीवाद लेकर लगभग आधे घंटे तक नॉन स्टॉप गरबा डांस भी किया। इस उत्सव में उन्होंने बहुत सुंदर साड़ी पहनी और सभी भक्तों से दिलचस्पी के साथ मिली। माना जा रहा हैं प्रत्येक उम्र के लगभग ९०० भक्तों ने इस उत्सव में भाग लेकर मां अंबे का आर्शीवाद प्राप्त किया।

छाया : सुरेश और भावना

खुज़लाहट का होम्योपैथिक इलाज

मैंने यहाँ कैनेडा में बहोत सारे मरीज देखे जो चमड़ी के अलग अलग रोगों से पीड़ित थे, for e&ample – खस, खुजलाहट [eczema, atopic dermatitis], सोरिआसिस [psoriasis], लीकेन प्लानस [lichen planus], सफेद दाग [vitiligo / leucoderma], खिल [acne, pimples], मासे [warts], इत्यादि। इन सब बीमारियाँ का इलाज होमियोपैथी में है द्य आज हम चमड़ी की सबसे common बीमारी Eczema के बारेमे जानेंगे द्य

Eczema एक ऐसी बीमारी है जिसमे चमड़ी में सुजन [inflammation] होता है और irritation होता है, चमड़ी लाल या काली हो जाती है। Eczema भी विविध प्रकार के होते है जिसमे सबसे common है atopic dermatitis या atopic eczema। मेरे पास ऐसे कई बच्चे इलाज कराने आते है eczema के लिए। North America में एक अंदाज से 20 प्रतिशत जितने बच्चो में और 3 प्रतिशत जितने बड़े लोगों में eczema की बीमारी देखने मिलती है।

लक्षण : चमड़ी पर खुजली आती है, चमड़ी का रंग लाल या काला हो जाता है, चमड़ी में सुजन जैसा महसूस होता है। कई बार शुरुआत में सिर्फ खुजली होती है और चमड़ी सुखी लगती है लेकिन अगर ध्यान नहीं दिया तो धीरे धीरे करके eczema के दुसरे लक्षण भी दिखने लगते है द्य खुजलाहट की normal places है सर, मुह [face] पर, गर्दन [nape of neck] पर, घुटने के पीछे [back of knee], कोहनी पर [elbows], wrists, जांघ में, इत्यादी जगह पर दिखाई देती है। चमड़ी सुखी, सूज जाती है और खुजाने से कभी कभी उसमेसे पानी जैसा या खून निकलता है द्य गरम पानी से अच्छा लगता है, ठंडी, गर्मी, पसीने से तकलीफ बढती है।

कारण : Eczema का निश्चित कारण आधुनिक तबिबी विज्ञानं के पास नहीं है। ऐसा माना जाता है की शारीर की रोग प्रतिकारक शक्ति जब जरुरत से ज्यादा रियेक्ट करती है [out of proportion reaction of immune system] तब eczema के लक्षण देखने को मिलते है द्य Eczema की बीमारी अनुवांशिक [heriditary] हो सकती है, या ऐसे लोगोमे जिनको दूसरी allergy [asthma, allergies – pollen, peanut, dairy,etc] की तकलीफ होती हो उनमे देखा गया है। कई लोगों को उन या खुदरे कपडे, साबुन के chemical, जानवर [कुत्ते, बिल्ली] के बाल, आर्टिफीसियल ज्वेलरी के उपयोग से धोदे समय के लिए चमड़ी पर eczema के लक्षण दिखाई देते है द्य शर्दी, जुखाम, खांसी के साथ भी eczema के लक्षण शुरू हो जाते है द्य मानसिक तनाव [stress] भी eczema का एक महत्व कारण माना जाता है।

निदान – eczema का निदान करने के लिए कोई लेबोरेटरी टेस्ट नहीं है लेकिन बीमारी के लक्षण और चमड़ी देखनेपर diagnosis किया जा सकता है द्य

इलाज– allopathy या आधुनिक तबीब विज्ञान मानते है की eczema मिट नहीं सकता और उसको मिटने के लिए कोई दावा नहीं है द्य इसलिए उनकी दवाई eczema के लक्षणों को काबू में रखने के लिए या लक्षणों को थोड़े समय के लिए दबाने का कम करती है, और मरीज जब तक यह दवा लेगा तब तक उसको आराम मिलेगा और अगर दवाई बंध की तो वापस eczema के लक्षण बहार आ जाते है, कई बार जज्यादा जोर से। Eczema की दवाइयों में मुख्य हाइड्रो कोर्तिजोंन [hydrocortisone or steroid cream] का मलम जो कई बार एंटीबायोटिक के साथ मिश्रित करके दिया जाता है द्य साथ में एंटी हिस्टामिन भी दिया जाता है। Eczema की बीमारी homeopathic दवाई से अच्छी हो सकती है. होमियोपैथी में कई सारी दवाई है जिसका उपयोग इस बीमारी के लिए किआ जाता है। हमने कारणों में देखा की ये रोग अनुवांशिक होता है तथा रोग प्रतिकारक शक्ति की वजह से होता है, और homeopathic medicines इन दोनों पर इफेक्ट करती है। homeopathic medicines रोग प्रतिकारक शक्ति को healthy और strong करती है द्य

होमियोपैथी में ये माना जाता है की चमड़ी के ऊपर होने वाली बीमारिया की जड़ शारीर के अंदर होती है और उसको चमड़ी के ऊपर cream लगाकर ठिक नहीं किया जा सकता द्य ऐसी बिमरीको जड़ से मिटाना हो तो दवाई खानी पड़ती है। चमड़ी के ऊपर क्रीम लगाने से बीमारी थोड़े समय तक दब जाती है और वापस बहार आती है कई बार ज्यादा जोर से द्य जब हमारे पास [या कोई भी homeopath के पास] patient आता है तो हम डिटेल्ड history लेते है जिसमे पेशेंट की तकलीफे, इससे पहले हुई बिमारिया, अनुवांशिक बीमारियाँ का विश्लेषण करते है और साथमे पेशेंट की mental, emotional stress को समजकर उसकी प्रकृति के मुताबिक दवाई देते है द्य इस प्रकार दवाई करने से बीमारी दब नहीं जाती लेकिन जड़ से ठीक होती है। इस बीमारी को अच्छा करने के लिए धैर्य की बहोत जरूरत है।

घरेलु इलाज : चमड़ी के ऊपर कोपरेल या पेट्रोलियम जेली [vaseline] लगाओ, मानसिक तनाव से दूर रहे, उनी [woolen] और rough कपड़ो का इस्तेमाल न करे, साबुन का उपयोग जरूरत से ज्यादा न करे, रोग नहाते वक्त अपने शारीर को साबुन न लगाए, दिन में 2 : 3 लीटर पानी पीओ, चमड़ी को हो सके उतना कम खुजालो, अगर चमड़ी पर हाथ घुमाने से अच्छा लगे तो ऐसा करो, खाना ताजा और nutritious लेना पसंद करो, नींद अच्छी तरह से शारीर को जरूरत हो उतनी लो। याद रहे eczema homeopathic medicines से ठिक हो सकता है। Homeopathic medicines मीठी होती है, उसकी कोई side effects नहीं होती, इसे कोई भी खा सकता है – new born child भी, दवाई की आदत नहीं पड़ती और ये बीमारी को जड़ से मिटाती है।

Akshay Banker
M D (Homoeopathy)
Ex Principal, Professor [India]
+1 647 868 4340

Nina Banker
M D (Homoeopathy)
Ex Professor [India]
+1 647 773 3074

Homeopathic Clinic (s):

93, Dundas St. E., Suite 107, Mississauga, ON. L5A 1W7.
[East of Hwy 10 and Dundas, Above Dollarama]
[Monday, Thursday, Friday - 10 am to 5 pm]

134, Queen St. E., Suite 203, Brampton, ON. L6V 1B2.
[Queen and Centre street]
[Tuesday, Saturday - 10 am to 5 pm]

2761, Markham rd., Aum Beauty Clinic, Scarborough, ON.
M1X 1L5. [North of Markham and Finch]
[Wednesday - 4 pm to 7 pm]